ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-२७
दिनांक- शुक्रवार, १ मई, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३०.० एवं १९.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८७ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ७२ प्रतिशत, हवा की औसत गति १५.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २४.० एवं दोपहर में २९.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में २८.८ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(०२-०६ मई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ०२ -०६ मई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में हल्के से मध्यम गरज वाले बादल लगातार छायें रह सकते हैं। मौसमीय परिस्थितियाँ अनुकूल रहने के कारण अगले ४-५ दिनों तक वर्षा की संभावना बनी रहेगी। अगले २ दिनों तक वर्षा की संभावना कम रहेगी। उसके बाद अगले ५ मई तक तेज हवा के साथ ब्रजवृष्टि उत्तर बिहार के ज्यादातर स्थानों पर होने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३१ से ३३ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २०-२२ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १८-२० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में गरज वाले बादल बनने के साथ-साथ वर्षा होने की संभावना को देखते हुए किसान भाईयों को कृषि कार्य में सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। कटी हुई गेहूँ की फसल को सुरक्षित स्थान पर भंडारीत कर लें। इस दौरान खड़ी फसलो में कीटनाशकों का छिड़काव एवं सिंचाई स्थगित रखें।
- सामान्य सलाह- कोरोना वायरस के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए कम से कम ६ फीट की शारीरिक दूरी बनाकर खेतो में कृषि कार्य करें साथ ही मॉस्क अथवा गमछा, रुमाल से मुँह को ढ़क लें। पशुशाला में प्रवेश के पूर्व साबुन से हाथ धोएँ।
- रबी फसल की कटाई के बाद अगर खेत में बरसात का पानी जमा हो तो उसकी निकासी कर खाली खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सुर्य की तेज धुप मिट्टी में छिपे किड़ों के अण्डे, प्युपा एवं घास के बीजों को नष्ट कर दें। खरीफ धान की र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे।
- किसान भाई हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी कर सकते है । खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद डाले।
- फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही १ किलोंग्रम छोआ, २ लीटर मैलाथियान ५० ई०सी० को १००० लीटर पानी मे घोल कर १५ दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- किसान भाई भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट द्वारा काफी नुकसान होता है। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियों पर चिपककर रस चुसते है। अधिकता की अवस्था मे पत्तियों पर छोटे-छोटे घब्बे उभर जाते है और पत्तियाँ पीली तथा पौधे कमजोर हो जाते है जिससे फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड ०.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन / १.५ से २ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई-गुड़ाई करें।
- मूंग एवं उरद की फसल मे रस चूसक कीट माहु, हरा फुदका, सफेद मक्खी व थ्रीप्स कीट की निगराणी करें। यह कीट पौधे की पत्तियों, कोमल टहनियों, फूल व अपरिपक्व फलियों से रस चूसते है। सफेद मक्खी पीला मोजैक रोग को फैलाने का काम करती है। थ्रीप्स कोमल कलियों व पुष्पों को बहुत क्षति पहुँचाती हैं जिससें अक्रान्त फूल खिलने से पहले झड़ जाती है, फलियॉ नही बन पाती है। इन कीटों का प्रकोप दिखने पर बचाव हेतु मैलाथियान ५० ई०सी० या डाडमेथोएट ३० ई०सी० का १ लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल मे छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- फलदार वृक्षों तथा वानिकी पौधों को लगाने के लिए अनुशंसित दूरी पर १ मी० व्यास के १ मीटर गहरे गडढ़े बना कर छोड़ दें।

आज का अधिकतम तापमानः २८.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ८.० डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १८.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.३ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी